जयपुर (राजस्थान) से प्रकाशित एवं दिल्ली, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, गुजरात, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, बिहार, हिमाचल प्रदेश और झारखण्ड राज्यों में प्रसारित

(DAVP-CODE No. 120390) भारत सरकार का रजि. नं. 10311/1965

साप्ताहिक

हमारा वतन

देश का अपना अखबार

ہمارا وطن ہفت روزہ

संस्थापित 1965

www.hamarawatan.com FOLLOW US:- Hamarawatan | Hamarawatan65 | Hamarawatan3 | Hamarawatan

संस्थापक
स्व. श्री राजेन्द्र कुमार 'अजेय'
स्वतंत्रता सेनानी

संरक्षक
स्व. श्री बाबू लाल सैनी

सम्पादक
राम गोपाल सैनी

वर्ष- 60 | अंक-32 | जयपुर, सोमवार, 26 अगस्त, 2024 | वार्षिक शुल्क 200 रुपये (एक प्रति 4 रु.) | पृष्ठ संख्या 4

'है नमन उनको, ए ट्रिब्यूट टू रियल हीरोज' कार्यक्रम हुआ आयोजित

सैनिक देश के असली हीरो, वीरांगनाओं का त्याग हमारे लिए प्रेरणा स्रोत - मुख्यमंत्री

जयपुर (हमारा वतन)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारे जांबाज सैनिक देश के असली हीरो हैं। वे हमारी मातृभूमि के प्रहरी हैं। इन वीरों के अदम्य साहस और हौसलों के कारण ही 140 करोड़ देशवासी निश्चित होकर रह रहे हैं। हमारे जवान प्रत्येक भारतवासी का स्वाभिमान है। शर्मा ने कहा कि राजस्थान वह धरा है, जहां मां अपने एक बेटे के शहीद होने पर दूसरे बेटे को भी सेना में भेजने का जज्बा दिखाती है। उन्होंने कहा कि इन सपूतों को जन्म देने वाली मां और उनके परिजन देश की रक्षा के लिए बड़े से बड़ा बलिदान देना अपना गौरव मानते हैं। भारत माता के गौरव को ऊंचा रखने में हमेशा सैनिकों के साथ वीरांगनाओं ने भी त्याग की मिसाल कायम की है। सैनिकों की बहादुरी और वीरांगनाओं के त्याग की कहानियां हमेशा प्रेरणा का स्रोत रही हैं। शर्मा 'है नमन उनको, ए ट्रिब्यूट टू रियल हीरोज' को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने शहीदों की वीरांगनाओं और परिजनों को सम्मानित किया। प्रदेश सरकार ने दूसरे विश्वयुद्ध में भाग लेने वाले सैनिकों और उनकी वीरांगनाओं की मासिक पेंशन राशि 10 हजार से बढ़ाकर 15 हजार रुपये कर दी गई है। सैनिक कल्याण विभाग के समस्त कार्यों के ओटोमेशन के लिए वेब-पोर्टल शुरू किया है। इसके माध्यम से राज्य सरकार की समस्त सुविधाओं एवं योजनाओं का सीधा लाभ सैनिक परिवारों को मिल सकेगा तथा उनकी समस्याओं का भी शीघ्र निस्तारण संभव हो सकेगा।

कार्यक्रम के दौरान केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के बैंड द्वारा दी गई मनमोहक प्रस्तुति से वहां उपस्थित सभी लोगों की आंखें नम हो गईं। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, विधायक बालमुकुंदाचार्य, जनरल ऑफिसर कमांडिंग 61 सब एरिया मेजर जनरल राय सिंह गोदारा, जयपुर ग्रेटर नगर निगम महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर, जयपुर हैरिटेज नगर निगम महापौर मुनेश गुर्जर, जयपुर ग्रेटर नगर निगम आयुक्त रूक्मणी रियार, जयपुर हैरिटेज नगर निगम आयुक्त अभिषेक सुराणा सहित सैनिक, वीरांगनाएं, शहीदों के परिजन तथा गणमान्यजन उपस्थित रहे।

जिला प्रशासन ने संभाला श्री गलता जी पीठ के घाट के बालाजी मंदिर का प्रबंधन

जयपुर (हमारा वतन)। उच्च न्यायालय के निर्देशों की अनुपालना में देवस्थान विभाग द्वारा जारी आदेश के तहत जिला कलक्टर, जयपुर द्वारा मंदिर ठिकाना गलता जी का बतौर प्रशासक प्रबंधन एवं संचालन किया जा रहा है।

प्रबन्धन एवं संचालन समिति के अध्यक्ष एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर (तृतीय) राजकुमार कस्वां ने बताया कि माननीय उच्च न्यायालय के आदेशों की अनुपालना में बुधवार को जिला प्रशासन द्वारा श्री गलता जी पीठ के घाट के बालाजी मंदिर का प्रबंधन एवं संचालन संभाल लिया गया है।

उन्होंने बताया कि जिला कलक्टर, जयपुर द्वारा मंदिर ठिकाना गलता जी की समस्त परिसंपत्तियों के प्रबन्धन एवं संचालन की व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु सहायतार्थ प्रबन्धन एवं संचालन समिति का गठन किया है। अतिरिक्त जिला कलक्टर (तृतीय) की अध्यक्षता में गठित प्रबन्धन एवं संचालन समिति में उपखण्ड अधिकारी-जयपुर प्रथम एवं कोषाधिकारी (शहर), जयपुर को सदस्य एवं सहायक आयुक्त (द्वितीय), देवस्थान विभाग को सदस्य सचिव बनाया गया है। उल्लेखनीय है कि उच्च न्यायालय ने मंदिर ठिकाना गलता जी के महंत अवधेशाचार्य की नियुक्ति को अवैध घोषित करते हुए मंदिर ठिकाना गलता जी एवं उसकी समस्त परिसंपत्तियों का प्रबन्धन एवं संचालन राज्य सरकार एवं देवस्थान विभाग को करने के निर्देश दिये गए हैं।

राजस्थान में मुख्यमंत्री आयुष्मान जीवन रक्षा योजना हुई लागू, मिलेंगे 10 हजार रुपए

जयपुर (हमारा वतन)। राज्य सरकार की बजट घोषणा वर्ष 2024-25 की अनुपालना में राज्य में मुख्यमंत्री आयुष्मान जीवन रक्षा योजना लागू की गई है। योजना का उद्देश्य राज्य में सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु दर को कम करना है। प्रदेश में घटित सड़क दुर्घटनाओं में गंभीर घायल व्यक्ति को न्यूनतम समय (गोल्डन ऑवर) में राज्य के निकटतम सरकारी एवं निजी चिकित्सा संस्थान (अस्पताल/ट्रोमा सेंटर आदि) पहुंचाने वाले भले व्यक्ति को राज्य सरकार 10 हजार रूपये की प्रोत्साहन राशि एवं प्रशस्ति पत्र देगी। इसके लिये मुख्यमंत्री आयुष्मान जीवन रक्षा योजना का गठन किया गया है। इस संबंध में वित्त विभाग ने घायल व्यक्तियों के जीवन रक्षा के परिप्रेक्ष्य में घायल व्यक्ति को न्यूनतम समय में चिकित्सकीय उपचार उपलब्ध कराने की दृष्टि से आमजन को प्रेरित करने के उद्देश्य से 21 अगस्त, 2024 को दिशा निर्देश जारी किए हैं। परिवहन आयुक्त ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से संचालित इस योजना के लिए बजट परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग के समर्पित सड़क सुरक्षा कोष द्वारा वहन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री आयुष्मान जीवन रक्षा योजना

घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने वाला भला व्यक्ति स्वेच्छानुसार अपनी पहचान आदि देने तथा योजना का लाभ लेने को तैयार होने पर अस्पताल के इमरजेंसी रूम में कार्यरत मेडिकल ऑफिसर द्वारा भले व्यक्ति का नाम, उम्र, लिंग, पता, मोबाइल नंबर, पहचान पत्र, बैंक डिटेल इत्यादि की जानकारी फॉर्म में दी जाएगी। मेडिकल ऑफिसर के अतिरिक्त संबंधित थानाधिकारी/उपखण्ड मजिस्ट्रेट द्वारा भी भले व्यक्ति को इस योजना का लाभ दिलाने की अनुशंसा निदेशक, जन स्वास्थ्य, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं को दुर्घटना के 3 दिवस के अंदर की जाएगी।

सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को निकटतम राजकीय अथवा निजी अस्पताल में पहुंचाने वाले भले व्यक्ति के साथ सम्मानजनक व्यवहार करने एवं उसकी इच्छानुसार तत्काल अस्पताल से जाने की अनुमति होगी। यदि घायल व्यक्ति गंभीर श्रेणी का है तो उसकी मदद करने वाले भले व्यक्ति को 10 हजार रूपये एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। वहीं एक से अधिक भले व्यक्ति होने की स्थिति में सभी को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार राशि सभी को समान रूप से विभाजित की जाएगी। भले व्यक्ति द्वारा सामान्य घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने पर केवल प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा।

केन्द्र सरकार ने प्रधानमंत्री ई-बस सेवा के लिए जारी की वित्तीय स्वीकृति

जयपुर (हमारा वतन)। केन्द्र सरकार ने प्रधानमंत्री ई-बस सेवा के अन्तर्गत विद्युत आधारभूत संरचना विकास (बिहाइंड द मीटर) के लिए प्रदेश के 8 शहरों हेतु 100 प्रतिशत केन्द्रीय सहायता के रूप में 35.84 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ई-बस सेवा के सिविल डिपो आधारभूत संरचना विकास के लिए 7 शहरों हेतु 34.47 करोड़ रुपये की स्वीकृति देकर प्रथम किश्त के रूप में 8.62 करोड रुपये की राशि जारी की है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केन्द्र सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन के अनुरूप पीएम ई-बस सेवा के तहत प्रदेश में ई-बसों का संचालन शीघ्र शुरू हो सकेगा। ई-बस सेवा के माध्यम से प्रदेश में शहरी परिवहन दक्षता में वृद्धि होने के साथ ही पर्यावरण अनुकूल परिवहन सेवा का भी विस्तार होगा।

प्रधानमंत्री ई-बस सेवा के अन्तर्गत अजमेर शहर के नोसर घाटी डिपो, अलवर के खसरा नं. 1931 टॉल प्लाजा के पास डिपो, बीकानेर के नाल रोड, शराह नथानियां डिपो, भीलवाड़ा के मोहनलाल सुखाडिया नगर योजना, टंकी के बालाजी डिपो, जोधपुर के झालामण्ड डिपो, कोटा के सुभाष नगर डिपो, उदयपुर के ढोल की पाटी डिपो के लिए विद्युत आधारभूत संरचना विकास एवं सिविल डिपो आधारभूत संरचना विकास के लिए यह स्वीकृति मिली है। साथ ही, जयपुर शहर के टोडी एवं बगराना डिपो के विद्युत आधारभूत संरचना विकास के लिए वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

28 अगस्त से 30 अगस्त तक आयोजित होगा फिल्म फेस्टिवल

जयपुर (हमारा वतन)। 7वें आर्यन इंटरनेशनल चिल्ड्रन्स फिल्म फेस्टिवल ऑफ जयपुर (ICFF) 2024 और 16 इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल - 16IFF 2024 का आयोजन जयपुर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (JIFF) द्वारा आर्यन रोज़ फाउंडेशन के सहयोग से किया जाएगा। यह फेस्टिवल 28 अगस्त से 30 अगस्त, 2024 तक जयपुर में आयोजित किया जाएगा। यह प्रतिष्ठित कार्यक्रम दुनिया भर के फिल्म निर्माताओं, निर्देशकों, निर्माताओं और सिनेमा के गणमान्य लोगों को एक साथ लाएगा।

फेस्टिवल संस्थापक और निदेशक हनु रोज़ ने बताया कि जयपुर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल को दुनिया के सबसे बड़े प्रतिस्पर्धी फिल्म फेस्टिवल के रूप में मान्यता प्राप्त है और अब यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सबसे अधिक समीक्षा किया जाने वाला फेस्टिवल है। सिनेमा को बढ़ावा देने के हमारे प्रयासों के तहत, हम विभिन्न देशों में दुनिया का सबसे बड़ा मशाल अभियान आयोजित कर रहे हैं।

फेस्टिवल के दौरान, तीन दिनों में नौ स्कूल ऑडिटोरियम में 21 देशों की 55 फिल्में दिखाई जाएंगी। पिछले साल, लगभग 46,000 छात्रों ने भाग लिया था और इस साल, हम लगभग 50,000 छात्रों के शामिल होने की उम्मीद करते हैं।

जनसेवक रविकांत शर्मा के जन्मदिन पर उमड़ा जनसैलाब

❐ करीब 500 वरिष्ठ नागरिकों का हुआ सम्मान ❐ सीकर सांसद कामरेड अमराराम रहे मुख्य अतिथि

जयपुर (हमारा वतन)। चौमूं विधानसभा की ग्राम पंचायत फतेहपुरा बांसा में अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविंद्र आचार्य की प्रेरणा से जनसेवक रविकांत शर्मा ने अपने जन्मदिन के अवसर पर वरिष्ठ नागरिक सम्मान समारोह का आयोजन किया। जिसमें 500 से ज्यादा वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान किया। सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि सीकर लोकसभा सांसद कामरेड अमराराम रहे।

आए हुए सभी अतिथियों ने सर्वप्रथम सरस्वती माता के चित्र के माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। स्कूल की बालिकाओं ने राष्ट्रगान गाया। इसके पश्चात् सभी अतिथियों का माल्यार्पण और साफा बंधवाकर स्वागत सम्मान किया गया। सभी लोगों ने जनसेवक रविकांत शर्मा को जन्मदिन की बधाई देकर लम्बी उम्र की कामना की। अतिथियों ने उपस्थित सभी वरिष्ठ जनों को शाल, रामलला की फोटो और हनुमान चालीसा भेंट कर सम्मान किया। इससे पूर्व रविकांत शर्मा ने सभी पर फूल बरसाकर, साष्टांग प्रणाम कर आशीर्वाद लिया। सम्मान पाकर वरिष्ठ जनों के चेहरे पर खुशी की लहर दौड़ गयी एक वरिष्ठ महिला ने कहा कि आज की पीढ़ी बुढ़ापे में मान सम्मान करना भूल गयी है। रविकांत शर्मा ने आज अपने जन्मदिन पर जो मान सम्मान दिया है उसका दिल से धन्यवाद है। ऐसे प्रोग्राम समाज के अंदर होते रहने चाहिए।

ग्रामीणों के ज्ञापन सौंपने पर सीकर लोकसभा सांसद अमराराम ने महात्मा गांधी सीनियर सेकेंडरी स्कूल फतेहपुरा की छत और जीना मरम्मत करवाने की घोषणा की। इस दौरान विधायक प्रत्याशी छुट्टन यादव, पूर्व प्रधान भगवान सहाय धासील, पूर्व सरपंच नंदकिशोर यादव, पूर्व अध्यक्ष गोविन्द नारायण सैनी, पूर्व प्रतिपक्ष नेता शैलेंद्र चौधरी, पीसीसी सदस्य महेंद्र लाम्बा, पुर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष लालाराम बलेसरा, कामरेड भगवान सहाय,पूर्व सरपंच प्रकाश गुर्जर,सरपंच बाबूलाल गुर्जर, घासी शर्मा, सीताराम शर्मा, पूर्व उप प्रधान कल्याण साहय शर्मा, पूर्व जिला परिषद सदस्य बाबूलाल शर्मा, जय नारायण शर्मा, गोपी राम बलेसरा, कल्याण सहाय शर्मा, बाबूलाल कुमावत, रामेश्वर मीणा,सहकारी समिति अध्यक्ष विजय कुमार शर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम शर्मा,इन्द्र वशिष्ट ने जन्मदिन की बधाई दी ।

राजस्थान बनेगा मेडिकल ट्यूरिज्म का हब, जल्द आएगी 'हील इन राजस्थान' पॉलिसी

जयपुर (हमारा वतन)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन में राजस्थान को मेडिकल ट्यूरिज्म के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए लगातार नीतिगत फैसले लिए जा रहे हैं। इस दिशा में जल्द ही 'हील इन राजस्थान' पॉलिसी लाई जाएगी। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से तैयार किए गए पॉलिसी के प्रारूप पर शनिवार को सभी हितधारकों के साथ विस्तृत चर्चा कर सुझाव लिए गए। इन सुझावों के आधार पर नीति को जल्द ही अंतिम रूप दिया जाएगा। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह की अध्यक्षता में स्वास्थ्य भवन में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में प्रदेश में मेडिकल वेल्यू ट्यूरिज्म बढ़ाने के लिए विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। सिंह ने कहा कि राज्य सरकार राजस्थान में चिकित्सा के क्षेत्र में एक नए युग का सूत्रपात कर रही है। इसी सोच के साथ इस वर्ष के बजट में स्वास्थ्य के क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कुल बजट का 8.26 प्रतिशत प्रावधान स्वास्थ्य के लिए किया गया है। यह अब तक का सर्वाधिक बजट प्रावधान है। हेलिस्टिक एप्रोच के साथ ऐलोपैथी एवं आयुष चिकित्सा तथा वैलनेस गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। सवाई मानसिंह अस्पताल में आयुष्मान टॉवर का निर्माण, दो मेडिसिटी एवं मारवाड़ मेडिकल यूनिवर्सिटी की स्थापना, हर जिले में मेडिकल कॉलेज एवं नर्सिंग कॉलेज, टेलीमेडिसिन को बढ़ावा, निजी क्षेत्र में भी कई उच्च श्रेणी के चिकित्सा संस्थानों का प्रदेश में आना ऐसे कदम हैं, जिनसे राजस्थान मेडिकल ट्यूरिज्म की दिशा में नई ऊंचाइयां छुएगा। साथ ही मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना में भी पोर्टेबिलिटी का प्रावधान जल्द ही होने से यहां बाहर के राज्यों के रोगी उपचार के लिए आ सकेंगे।

विराज फाउंडेशन ने नगर परिषद आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

जयपुर (हमारा वतन)। विराज फाउंडेशन के चौमूं नगर अध्यक्ष डॉ. सीताराम कुमावत ने चौमूं नगर परिषद आयुक्त सूर्यकांत शर्मा को चौमूं नगर परिषद परिक्षेत्र में फैल रहे मच्छरों के प्रकोप को देखते हुए फॉगिंग व डीडीटी पाउडर के छिड़काव को लेकर ज्ञापन सौंपा। इस दौरान प्रदेश मंत्री ओमप्रकाश रीडर ने बताया कि बारिश के मौसम में मच्छरों की संख्या अत्यधिक बढ़ने से बीमारियों का प्रकोप बढ़ रहा है। जिससे डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया जैसी बीमारियां घर-घर में फैल रही है इसके बचाव के लिए फॉगिंग व नालियों की सफाई करवाकर डीडीटी पाउडर का छिड़काव करवाया जाए जिससे आमजन को राहत मिल सके। इस दौरान नगर महामंत्री अशोक बारावाल, पूर्व पार्षद धर्मेंद्र गवारीया, हरसहाय सैनी आदि लोगों उपस्थित रहे।

एसपीयू रजिस्ट्रार डॉ. रमेश कुमार रावत को मिला सोशल चेंजमेकर्स अवार्ड 2024

नई दिल्ली (हमारा वतन)। सिक्किम प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, गंगटोक के रजिस्ट्रार, प्रो. डॉ. रमेश कुमार रावत को नई दिल्ली में सोशल चेंजमेकर्स अवार्ड 2024 मिला । यह पुरस्कार रावत को सीएसआर और ईएसजी में उनके उत्कृष्ट योगदान और नेतृत्व की मान्यता के लिए और सामाजिक परिवर्तन लाने के साथ-साथ महत्वपूर्ण रूप से सशक्त समुदायों के लिए सीएसआर में उल्लेखनीय प्रयासों और अभिनव दृष्टिकोण के लिए उनकी अटूट प्रतिबद्धता के लिए दिया गया है।

इंडिया सीएसआर ने प्रो. डॉ. रमेश कुमार रावत को यह पुरस्कार नई दिल्ली में 14वें भारत सीएसआर लीडरशिप समिट 2024 के दौरान इंडिया सीएसआर नेटवर्क द्वारा दिया गया। इस वर्ष के शिखर सम्मेलन का विषय, सिनर्जाइज़िंग सीएसआर-सशक्त समुदाय - नवाचार, समावेशिता और प्रभाव, सीएसआर क्षेत्र के भीतर सार्थक संवाद और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए हमारी साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

इस उपलब्धि पर प्रो. डॉ.रमेश कुमार रावत के पिता श्रवण कुमार रावत एवं माता कृष्णा देवी रावत ने उन्हें इस उपलब्धि के लिए आशीर्वाद दिया है ।

सरपंच एवं साथिनों के लिए दो दिवसीय आमुखीकरण कार्यशाला का हुआ आयोजन

जयपुर (हमारा वतन)। महिला अधिकारिता निदेशालय एवं पंचायती राज विभाग द्वारा मंजरी संस्थान की भागीदारी में यूनीसेफ राजस्थान के तकनीकी व वित्तीय सहयोग से पंचायत संग साथिन (राष्ट्रीय ग्राम स्वराज) अभियान के अंतर्गत सरपंच एवं साथिनों के लिए बाल एवं महिला हितैषी पंचायत विषय पर 22 और 23 अगस्त 2024 को दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । दो दिवसीय कार्यशाला में विषय विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न सत्रों में चर्चा की गयी ।

पंचायती राज आयुक्त एवं शासन सचिव रवि जैन ने प्रशिक्षण कार्यशाला की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सरपंच और साथिन मिलकर काम करें जिससे ग्राम पंचायतों के समग्र विकास के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत स्तर पर महिलाओं की सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा तथा उनके सम्पूर्ण विकास के लिए साथिन महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि यह बहुत आवश्यक है कि साथिनों को ग्राम पंचायतों में बैठने का स्थान मिले। इसके लिए पंचायती राज विभाग की ओर से ग्राम पंचायतों को जल्दी ही आदेश जारी कर पाबंद किया जाएगा। दो दिवसीय आमुखीकरण कार्यशाला में उपनिदेशक जिला आयोजना, पंचायती राज विभाग गुरुदर्शन सिंह रमाणा, साथिन और सरपंच उपस्थित रहे।

जॉब्स

1. राजस्थान लोक सेवा आयोग, पद जियोलॉजिस्ट असिस्टेंट माइनिंग इंजीनियर, पद संख्या 56, अंतिम तिथि 30 अगस्त 2024
2. आईटीबीपी, पद कांस्टेबल एनिमल ट्रांसपोर्ट व अन्य, पद संख्या 128, अंतिम तिथि 10 सितंबर 2024
3. आईटीबीपी, पद इलेक्ट्रीशियन कारपेंटर व अन्य, पद संख्या 202, अंतिम तिथि 10 सितंबर 2024
4. आरआरबी, पद पैरामेडिकल कैटिगरी विभिन्न पोस्ट, पद संख्या 1376, अंतिम तिथि 16 सितंबर 2024
5. नॉर्दर्न रेलवे आरआरसी, पद ट्रेड अप्रेंटिस, पद संख्या 4096, अंतिम तिथि 16 सितंबर 2024
6. रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड, पद जूनियर इंजीनियर, पद संख्या 7951, अंतिम तिथि 29 अगस्त 2024
7. सुप्रीम कोर्ट पद जूनियर कोर्ट अटेंडेंट पद संख्या 80 अंतिम तिथि 12 सितंबर 2024
8. आरपीएससी, पद ए एस ओ, पद संख्या 43, अंतिम तिथि 10 सितंबर 2024

ऐश्वर्या राय ने ठुकरा दिया था शाहरुख खान की फिल्म हैप्पी न्यू ईयर का ऑफर, कहा था- मेरे और अभिषेक के...

शाहरुख खान और अभिषेक बच्चन की फिल्म 'हैप्पी न्यू ईयर' का ऑफर ऐश्वर्या राय को भी मिला था, लेकिन उन्होंने इस फिल्म का ऑफर ठुकरा दिया था। क्यों? आइए जानते हैं। ऐश्वर्या राय बच्चन फिल्मों के मामले में बहुत सिलेक्टिव हैं। उन्होंने कई ऐसी फिल्मों के ऑफर्स ठुकराए हैं जो बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई हैं जैसे 'ट्रॉय', 'मुन्नाभाई एमबीबीएस', 'भूल भुलैया' और 'कृष' आदि। लेकिन लोगों को सबसे ज्यादा आश्चर्य तब हुआ जब उन्होंने अभिषेक बच्चन की फिल्म 'हैप्पी न्यू ईयर' को करने से मना कर दिया। उस समय तो ऐश्वर्या ने लोगों के 'क्यों?' का जवाब नहीं दिया था, लेकिन बाद में उन्होंने अपनी बात लोगों के सामने रखी थी।

ऐश्वर्या ने बताया था फिल्म ना करने का कारण-ऐश्वर्या ने एनडीटीवी को दिए इंटरव्यू में कहा था, हां, मुझे फिल्म ऑफर की गई थी और फिल्म की कहानी काफी मजेदार लग रही थी। 'हैप्पी न्यू ईयर' का ऑफर ठुकराने के पीछे का कारण बताते हुए ऐश्वर्या ने कहा था, मुझे पता था कि अगर मैं ये फिल्म करती तो मुझे बहुत मजा आता। ये मेरे लिए बहुत मजेदार एक्सपीरियंस होता। लेकिन मेरे और अभिषेक के लिए बहुत अजीब हो जाता है, अगर मैं फिल्म में रहती और मेरी जोड़ी उनके साथ न बनकर किसी और के साथ बनती। हैं न अजीब होता न! बस इसलिए मुझे ना कहना पड़ा।

ऐश्वर्या के बाद इस एक्ट्रेस को मिला रोल-ऐश्वर्या के बाद ये रोल दीपिका पादुकोण को मिला। फिल्म में दीपिका को शाहरुख खान के अपोजिट कास्ट किया गया था। दोनों के बीच फिल्म में रोमांटिक सीन्स भी दिखाए गए थे। वहीं अभिषेक बच्चन की फिल्म में कोई हीराइन नहीं थी। बता दें, इस फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 199.95 करोड़ रुपये और वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 397 करोड़ रुपये की कमाई की थी।

विक्की कौशल के घर में खाने के समय के बनें हुए हैं कुछ खास नियम कैटरीना कैफ को नहीं है पसंद?

अभिनेत्री कैटरीना कैफ, जो सफलतापूर्वक अपने मेकअप ब्रांड का नेतृत्व कर रही हैं, को कभी-कभी अपने पति, अभिनेता विक्की कौशल द्वारा अपने फोन को खाने की मेज से दूर रखने के लिए कहा जाता है। एक हालिया साक्षात्कार में, कैटरीना ने अपने व्यवसाय के प्रति अपने जुनून के बारे में बात की और बताया कि कैसे वह अपने अभिनय करियर पर ध्यान केंद्रित करते हुए इसे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। बात करते हुए, कैटरीना ने कहा, एक अभिनेता और एक उद्यमी के रूप में अपने करियर को संतुलित करना अविश्वसनीय रूप से फायदेमंद है, लेकिन साथ ही मांग भी है। उन्होंने बताया कि कैसे कभी-कभी उन्हें विक्की द्वारा अपना फोन दूर रखने और खाने के लिए कहा जाता है।

कैटरीना ने कहा, कई बार ऐसा होता है जब मेरे पति (विक्की कौशल) मुझे खाने की मेज पर फोन रखने के लिए कहते हैं, लेकिन मुझे अक्सर एक महत्वपूर्ण लॉन्च के लिए बस एक आखिरी काम करना होता है। वह समझते हैं कि यह समर्पण अत्यधिक जुनून से आता है। कैटरीना, जो उद्यमी फाल्गुनी नायर के साथ के ब्यूटी का नेतृत्व कर रही हैं, ने यह भी बताया कि कैसे उनकी अच्छी दोस्त और फिल्म निर्माता, जोया अख्तर ने उनके मेकअप ब्रांड के शुरुआती मार्केटिंग अभियानों के दौरान उनकी मदद की।अभिनेता से उद्यमी बने विक्की ने साझा किया, मेरी प्यारी दोस्त ज़ोया (निर्देशक ज़ोया अख्तर) बोर्ड पर आईं, के ब्यूटी के सार को समझा और मुझे इसे व्यक्त करने में मदद की।

मन के भीतर हो जन्माष्टमी तो मिलेंगे श्रीकृष्ण

हमारा वतन। बाहर की जन्माष्टमी मनाना भी आवश्यक है ताकि तुम्हें याद आ जाए कि मेरे भीतर अभी भी उतना ही अंधकार है, जितना कृष्ण के जन्म के समय उनके माता-पिता के कारागार में था। अगर मन के अंधकार से मुक्ति चाहते हो, तो फिर अंतस की जन्माष्टमी मनाओ। भीतर की जन्माष्टमी वही मना पाएगा, जिसके भीतर कृष्ण-चेतना का जन्म हुआ हो।आज भी अगर आप कृष्ण को प्रेम से पुकारो तो आपके शरीर में उनके प्रेम की तरंगें स्पंदित होने लग जाएंगी क्योंकि कृष्ण किसी एक व्यक्ति का नाम नहीं है। वह स्वयं अपने मुख से कहते हैं, 'मैं अव्यक्त हूं, अजन्मा हूं।' श्रीकृष्ण से जुड़ने के हजार उपाय हैं श्री कृष्ण के रूप का दर्शन कर उनके स्वरूप तक पहुंचने का पर्व है जन्माष्टमी। आनंद में झूम उठने का पर्व है जन्माष्टमी। जितना आवश्यक है कि हम श्रीकृष्ण के रूप की उपासना करें, उतना ही आवश्यक है कि हम उनके स्वरूप की भी स्मृति अपने चित्त में लाएं। भगवान भगवद्गीता में अपने स्वरूप का बहुत गहराई से वर्णन करते हैं। भगवान का यह स्वरूप ही हमारा स्वरूप है।भगवान ने कृष्ण रूप में जन्म लेकर सबके कल्याण और आध्यात्मिक उन्नति के लिए ज्ञान की परंपरा को भगवद्गीता के द्वारा आगे प्रेरित किया। जब अर्जुन क्या करूं और क्या न करूं के द्वंद्व में फंस जाते हैं तो भगवान ज्ञान का उपदेश देकर उस अमृतमयी ज्ञान धारा से अर्जुन को सारे द्वंद्वों से मुक्त कर देते हैं। पर समझने की बात यह है कि ज्ञान का उपदेश केवल अर्जुन के लिए नहीं था, अपितु अर्जुन को निमित्त बनाकर भगवान सबको उपदेश दे रहे थे और अपने ग्रंथ के माध्यम से आज भी दे रहे हैं। कृष्ण के प्रिय होने का अर्थ बस इतना है कि कृष्ण के उपासक का मन ठहर जाता है और यह ठहरा हुआ मन फिर कृष्ण का ही आकार ले लेता है। भक्त और भगवान में कोई भेद नहीं रह जाता। लेकिन केवल रूप का गुणगान करने से कोई भक्त नहीं कहलाएगा क्योंकि भक्त हम उसे कहते हैं, जो कण-कण में बस भगवान को ही देखता है। भक्ति का आधार है प्रेम। जिसने संसार से प्रीति तोड़कर परमात्मा से प्रीति जोड़ ली, वे संसार में रहकर भी संसार से दुखी नहीं होता, क्योंकि ईश्वर ही उसका संसार बन जाता है। इतना घनिष्ठ प्रेम काफी है, एक व्यक्ति को वैराग्यपूर्ण करने के लिए। जन्माष्टमी का पर्व उन पर्वों में से एक है।

जन्माष्टमी पर लड्डू गोपाल से जुड़े इन नियमों का रखें ध्यान, तभी होगा कल्याण

हमारा वतन। जन्माष्टमी के मौके पर भगवान कृष्ण के बाल स्वरूप की पूजा की जाती है। मंदिरों के साथ ही घरों में भी बाल गोपाल की पूजा होती है और उनके लिए झूले सजाए जाते हैं। हर साल भाद्रपद मास कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को कृष्ण जन्माष्टमी मनाया जाता है। इस साल दोनों दिन जन्माष्टमी मनाया जाएगा। जन्माष्टमी के मौके पर भगवान कृष्ण के बाल स्वरूप की पूजा की जाती है। मंदिरों के साथ ही घरों में भी बाल गोपाल की पूजा होती है और उनके लिए झूले सजाए जाते हैं। लेकिन धर्म शास्त्रों में घर में लड्डू गोपाल को रखने के कई विशेष नियम हैं। ऐसे में अगर आप जन्माष्टमी पर अपने घर में लड्डू गोपाल को स्थापित करना चाहते हैं तो इससे जुड़े कुछ नियमों को जरूर जान लें।

बाल गोपाल को कृष्ण का बाल स्वरुप माना जाता है। एक बच्चे की तरह उनकी सेवा की जाती है। सुबह जल्दी उठकर बाल गोपाल की पूजा करें और उन्हें भोग लगाएं। बाल गोपाल की पूजा में इस्तेमाल की जाने वाली सभी सामग्रियां शुद्ध और सात्विक होनी चाहिए।

लड्डू गोपाल का श्रृंगार-लड्डू गोपाल का नवजात शिशु की तरह ख्याल रखना चाहिए। बाल गोपाल को स्थापित करने से लड्डू गोपाल, परिवार के एक सदस्य बन जाते हैं। उन्हें रोजाना गुनगुने पानी से स्नान कराएं और साफ कपड़े पहनाएं। उनको चंदन का टीका लगाएं और उनका श्रृंगार करें। बाल गोपाल के श्रृंगार में उनके कान की बाली, कलाई में कड़ा, हाथों में बांसुरी और मोरपंख लगाएं.

वस्त्रों का चयन-बाल गोपाल के कपड़ों को रोजाना बदलें। साथ ही दिन के अनुसार अलग-अलग रंग वाले कपड़े पहनाएं। जैसे सोमवार को सफेद, मंगलवार को लाल, बुधवार को हरा, गुरुवार को पीला, शुक्रवार को नारंगी, शनिवार को नीला और रविवार को लाल कपड़ा पहनाएं।

रोज लगाएं भोग-लड्डू गोपाल की सुबह-शाम श्रद्धापूर्वक पूजा करें। उनकी आरती उतारें और उन्हें माखन-मिश्री, बूंदी या मीठी चीज का भोग लगाएं। साथ ही उन्हें तुलसी की पत्तियां अर्पित करें।

सात्विक भोजन-अगर घर के मंदिर में लड्डू गोपाल विराजमान हैं तो रोजाना लहसुन और प्याज रहित भोजन बनाएं और किचन में जो भी बनाएं, तो उन्हें भोग लगाना ना भूलें। घर में कोई खाने की चीज लाएं, तो उन्हें अवश्य भोग लगाएं।

महाभारत में श्रीकृष्ण ने अर्जुन को दी थी ये सीख कलयुग में समझ गए तो जिंदगी की नैया हो जाएगी पार

हमारा वतन। महाभारत का युद्ध अर्जुन के लिए बिल्कुल भी आसान नहीं था, लेकिन उन्हें श्रीकृष्ण ने जिंदगी का पाठ पढ़ाया, धर्म के रास्ता पर चलने को तैयार किया। भगवान श्रीकृष्ण की अर्जुन को दी गई सीख कलयुग में भी इंसान को समझना बहुत जरूरी है। इतना ही नहीं इन सीख से आपकी जिंदगी तक बदल सकती है।महाभारत के युद्ध को बुराई पर अच्छी की जीत और अधर्म पर धर्म की विजय के तौर पर माना जाता है। युद्ध के दौरान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को कुछ उपदेश दिए, जिसकी वजह से ही उन्हें आगे बढ़ने की हिम्मत मिली। अपने ही परिवार के सामने खड़े होकर लड़ना इतना आसान नहीं था, लेकिन श्रीकृष्ण का दिखाया रास्ता ही उन्हें जीत की ओर ले गया। अंत में पांडवों ने कौरवों को पराजित भी कर दिया।जिंदगी में कई ऐसे मोड़ आते हैं जब इंसान उलझन में पड़ जाता है कि अब क्या करें। कई दफा सच और परिवार में से किसी एक को चुनना पड़ता है, भ्रम इतना हावी हो जाता है कि फैसला लेना भी मुश्किल लगता है। ऐसे में हम आपको श्रीकृष्ण की वो सीख बताने वाले हैं जो उन्होंने महाभारत में अर्जुन को दी थी। इन्हें समय पर समझ लिया तो कलयुग में जिंदगी की नैया पार लग जाएगी।

जीवन-मृत्यु, भय-मोह जैसे लोभ -भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि संसार के निर्माण के बाद से ही जन्म और मृत्यु का चक्र चलता आ रहा है। यह प्रकृति का नियम है कि जो जन्म लेता है, उसकी मृत्यु अवश्य होनी है। फिर मृत्यु के बाद जन्म भी अवश्य होता है। ऐसे में मृत्यु से भयमुक्त होकर वर्तमान में जीना चाहिए। मृत्यु का भय वर्तमान जिंदगी को बर्बाद कर सकता है।

कर्म पर ध्यान देना जरूरी-आज कल ज्यादातर लोग शॉर्टकट की मदद से सक्सेस हासिल करना चाहते हैं। जबकि भगवान कृष्ण ने अर्जुन को कर्म को ही पूजा मानने की सीख दी थी। भगवान कहते हैं कि कर्म ही भक्ति है, इसलिए कर्म को पूरे मन से करना चाहिए। उन्होंने अर्जुन को कर्म योगी बनने के उपदेश दिए। कलयुग में भी इंसान को समझना चाहिए कि बिना कर्म फल की प्राप्ति नहीं हो सकती है।

अन्याय को न्याय से हराएं -श्रीकृष्ण ने अर्जुन को दुर्योधन की महत्वाकांक्षा का उदाहरण देते हुए समझाया था कि अन्याय का प्रतिकार करना जरूरी होता है। कलियुग में भी अन्याय के चरम पर होने की बात ग्रंथों में कही गई है ।

हमारा वतन
खबरों, विज्ञापन एवं सदस्यता के लिए सम्पर्क करें ।
Email- hamarawatan65@gmail.com 9214996258 7014468512

अति आवश्यक सूचना

पाठकों व विज्ञापनदाताओं से निवेदन है कि जिनका सालाना सदस्यता शुल्क व विज्ञापनों का भुगतान नहीं हो पाया है वे अपना शुल्क 'हमारा वतन के नाम से खाता संख्या 61079058819' एसबीआई (IFSC Code- SBIN0004227) में या 9214996258 पर फोन-पे, पेटीएम, गुगल-पे पर जमा कराकर सूचित करें।
- सम्पादक

पुनीत प्रतिष्ठा में :-

क्या ख़ाक़ लिखे कोई, बरगश्ता ज़माना है,
कांटों पै भी चलना है, दामन भी बचाना है।

सम्पादकीय.....

सियासत ने बढ़ाई जाति की खाई?

राम गोपाल सैनी

भारतीय राजनीति और समाज में जाति बहुत पेचीदा मुद्दा रहा है। जाति व्यवस्था को सामाजिक कोढ़ बताने वालों का मानना था कि विकास और आधुनिकता के आने से जाति व्यवस्था अपने आप टूटती जाएगी। गांधी मानते थे कि अछूतोद्धार के जरिए समाज में बराबरी का संदेश जाएगा। उन्होंने इसकी कोशिश भी की। दूसरी तरफ बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर मानते थे कि सामाजिक विकास यात्रा में पीछे छूट गए लोगों को आरक्षण देकर पहले सबल बनाया जाना चाहिए। वह तबका सबल होगा तो जाति व्यवस्था में बराबरी का भाव आएगा। लोहिया सोचते थे कि पिछड़ों को आर्थिक रूप से ताकतवर बनाकर आगे लाया जाए तो सामाजिक समानता का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। कुछ ऐसी ही सोच दीनदयाल उपाध्याय की भी रही। लेकिन बहुजन आंदोलन के अगुआ कांशीराम की मान्यता रही कि पिछड़ों और दलितों को सत्ता मिले तभी जाति टूटेगी। चारों वैचारिकी के आधार पर देखें तो सामाजिक रूप से जाति टूटती नजर आ रही है, लेकिन जैसे-जैसे आरक्षण की राजनीति आंबेडकर की बुनियादी सोच से आगे बढ़ने लगी, राजनीतिक रूप से जातियां अपने-अपने दायरे में और मजबूत होती गईं। 'जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी' की सोच बढ़ने लगी। इसलिए हर जाति नए सिरे से गोलबंद होने लगी। अपनी राजनीतिक ताकत दिखाने और बढ़ाने के लिए ये जातियां अपने किले को पहले से कहीं ज्यादा मजबूत करने लगीं। वोट बैंक की राजनीति ने इस प्रक्रिया को बढ़ावा दिया। सत्ता के लिए बहुमत हासिल करने के लक्ष्य को लेकर लगातार सक्रिय राजनीति ने जातीय समूहों को अपने साथ जोड़ने की कोशिश में उनकी मांगों को उछालना शुरू किया। हर राजनीतिक समूह अपने हिसाब से अपनी समर्थक जातियों की राजनीतिक मांगों को जायज ठहराने लगा। इस पूरी प्रक्रिया में सामाजिक रूप से जाति को तोड़ने की सोच पीछे छूटती चली गई। दिलचस्प यह है कि जब कोई जातीय समूह किसी खास राजनीतिक ताकत का साथ छोड़ने लगा तो उसके हक और अधिकारों की मांग उस राजनीतिक ताकत के लिए गौण होने लगी। पूरी भारतीय राजनीति इसी प्रक्रिया के साथ आगे बढ़ रही है। भारतीय संविधान में दलितों और आदिवासी समूहों के लिए आरक्षण की व्यवस्था करते वक्त आंबेडकर ने इसे अनंतकाल तक चलाने से चेताया था। संविधान में शुरुआती दस साल के लिए ही आरक्षण की व्यवस्था रखी गई थी। लेकिन जाति आधारित आरक्षण व्यवस्था ना सिर्फ आंबेडकर की सोच से आगे निकल गई है, बल्कि वह अनंतकाल तक चलते रहने के लिए अभिशप्त है। जाति जनगणना की मांग राजनीतिक समूहों द्वारा जातीय समूहों को यह यकीन दिलाने की कोशिश है कि वे उनके लक्ष्य के साथ खड़े हैं। चाहे गांधी रहे हों या आंबेडकर या फिर लोहिया, उनके विचारों और सिद्धांतों का बुनियादी मकसद सत्ता की राजनीति नहीं, सामाजिक समानता के जरिए भारतीय समाज का निर्माण था। लेकिन उनके नाम पर राजनीति करने वाले आधुनिक समूहों के साथ यह बात नहीं दिखती। समाजवादी धारा की मौजूदा राजनीति की प्रभावी ताकतों के पास भारतीय समाज बनाने का कोई ठोस सामाजिक कार्यक्रम नहीं है। उनमें जातीय उन्माद बढ़ाने और फैलाने का भाव ज्यादा नजर आता है।

राइजिंग राजस्थान से होगा प्रदेश में नये विकास का उदय

राज्य सरकार निवेशकों के सहयोग के लिए तत्पर:शर्मा

जयपुर(नि.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राइजिंग राजस्थान प्रदेश के औद्योगिक विकास की गति को बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान में निवेश करने वाले उद्यमियों को भूमि, बिजली एवं पानी की उपलब्धता समयबद्ध एवं नीतिगत रूप से सुनिश्चित करवाई जाएंगी, जिससे निवेश धरातल पर मूर्तरूप ले सके।

मुख्यमंत्री शर्मा मुख्यमंत्री कार्यालय में वाइब्रेंट गुजरात एवं उत्तरप्रदेश इन्वेस्टर्स समिट की तर्ज पर राइजिंग राजस्थान के सफल आयोजन के लिए राज्य के अधिकारियों के प्रतिनिधिमण्डल के दौरे के बाद आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि समिट में निवेश के लिए भाग लेने वाले प्रतिभागी देशों के अनुरूप सभी आवश्यक तैयारियां समय से पूरी कर ली जाए। साथ ही, इसके लिए अधिकारियों की विशेष टीम का गठन भी किया जाए।

राइजिंग राजस्थान वॉर रूम के जरिए आयोजन की तैयारियां करें तेज

शर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि राइजिंग राजस्थान के सफल आयोजन के लिए वॉर रूम स्थापित किया जाए, जहां उचित संसाधनों के साथ विशेषज्ञ टीम आयोजन से संबंधित सभी तैयारियों को आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध रूप से पूरा कर सकें। उन्होंने आयोजन का सभी माध्यमों से व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को अब तक प्राप्त हो चुके निवेश प्रस्तावों को मूर्तरूप देने से संबंधित कार्यवाही को गति प्रदान करने के भी निर्देश दिए।

रोड-शो के माध्यम से निवेशकों को करें आकर्षित

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस समिट के लिए देश-विदेश में आयोजित होने वाले रोड-शो के आकर्षक और प्रभावी आयोजन से निवेशकों को आमंत्रित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि विदेशों से आने वाले निवेशकों के लिए इन्वेस्टमेंट इन्विटेशन पैकेज तैयार किए जाएं।

निजी क्षेत्र के साथ ही सार्वजनिक क्षेत्र में भी निवेश संभावनाओं को मिले बढ़ावा

शर्मा ने कहा कि प्रदेश में सार्वजनिक क्षेत्र में भी निवेशकों को आमंत्रित किया जाए जिससे प्रदेश में अधिक से अधिक निवेश हो सके। उन्होंने अधिकारियों को इसके लिए देश में सार्वजनिक क्षेत्र के बड़े उपक्रमों के साथ समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए।

उजाला फैंसी फुटवियर पर आया लेसोन स्पोर्ट्स शूज का नया कलेक्शन

चौमूं (हमारा वतन)। हर बार की तरह इस बार भी चौमूं शहर के राधे कॉम्प्लेक्स के सामने स्थित उजाला फैंसी फुटवियर के शोरूम में लेसोन स्पोर्ट्स शूज का नया कलेक्शन आया है।

संचालक योगेश सैनी ने बताया कि लेसोन स्पोर्ट्स शूज कंफर्ट के मामले में अपनी एक खास पहचान रखता है । इसके शूज कंफर्ट और स्मूथ हैं। इनको पहनने के बाद में रिलैक्स महसूस होता है । सभी शहरवासियों से निवेदन है की एक बार जरूर शोरूम का विजिट कर नए कलेक्शन को जरूर देखें ।

देवनानी ने विधानसभा में बिजली बिल अधिक आने पर जताई चिंता

जयपुर(नि.सं.)।राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि विधायक आवास परिसर में जल्द ही सोलर पैनल लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इससे विधायक आवास परिसर की विद्युत वितरण कंपनियों की ग्रिड से आने वाली बिजली पर निर्भरता कम होगी और विधायक आवास परिसर में राजकीय विद्युत खर्चे में राहत मिल सकेगी।

Mohan Lal Jitarwal
Jaisingh Jitarwal
मोनिका प्रिन्टर्स
WE DESIGN , PRINT & PROMOTE...YOU !
थाना मोड़, चौमूँ
फ्लैक्स / विनायल | ऑफसेट प्रिन्टिंग | पोस्टर / पम्पलेट | बिल-बुक | लेटर हेड
शादी कार्ड | सवामणी कार्ड | स्क्रीन प्रिन्टिंग | विजिटिंग कार्ड | आई - कार्ड
हमारे यहाँ प्रिन्टिंग से सम्बन्धित सभी कार्य उचित रेट पर किये जाते है
तथा चुनाव से सम्बन्धित सामग्री उचित रेट पर तैयार की जाती है ।
एक बार सेवा का मोका अवश्य दें
Contact Us: 9785850646, 8946910073, 7610022192
monikaprinters68@gmail.com

सुनीता मीणा बनी ब्रांड एम्बेसडर

जयपुर (हमारा वतन)। डे नाइट मोशन और पिक्चर द्वारा 30 अगस्त को जयपुर में आयोजित किए जाने वाले ब्यूटी प्रेजेंट स्टेकवॉक मिस और मैसेज इंडिया इंटरनेशनल 2024 की ब्रांड एंबेसडर सुनीता मीणा को नियुक्त किया गया है ।

संस्था के डायरेक्टर पीयूष शर्मा ने बताया की सुनीता मीणा विगत कई वर्षों से समाज सेवा और फैशन जगत में सक्रिय कार्य कर रही है। साथ ही बेटी फाउंडेशन की ब्रांड एंबेसडर बनकर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत समाज को जागरुक कर रही है, उनके द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्य को देखते हुए संस्था ने उनको ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया है।

RNI No. 10311/1965
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल बाहर, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित , मो. 9214996258, 7014468512
उप सम्पादक: सुरेन्द्र कुमार सैनी
E mail-hamarawatan65@gmail.com
प्रबंध सम्पादक : वली मोहम्मद कुरैशी, मो. 9929610759
सभी प्रकार के वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र चौमूं शहर होगा